Bombay Stock Exchange Limited

BSE

The edge is efficiency

# प्रि-ओपन के दौरान कॉल ऑक्शन कारोबार की पद्धति

# कॉल ऑक्शन क्रियाविधि

## परिचय

किसी चालू बाजार में उस समय सौदा होता है, जब एक खरीद आर्डर एक बिक्री आर्डर के साथ बाजार खुले रहने के दौरान एक निश्चित कीमत पर मिलान करता है।

किसी कॉल ऑक्शन बाजार में आर्डरों का संग्रह बाजार के चालू रहने की स्थिति में किसी पूर्व निर्धारित समय पर उनके अनुपालन के लिए किया जाता है। कॉल की स्थिति में सभी खरीद आर्डरों को एक डाउनवर्ड स्लोपिंग डिमांड फंक्शन के आधार पर शामिल किया है तथा सभी सेल आर्डरों को एक अपवर्ड स्लोपिंग सप्लाइ फंक्शन के आधार पर शामिल किया है। कॉल ऑक्शन की कीमत तथा ट्रेड की गई मात्रा को अंडरलेयिंग की कुल आपूर्ति तथा मांग के आधार पर निर्धारित किया जाता है। ट्रेड किये जाने वाले आर्डरों तथा उनकी कीमत और मात्रा का निर्धारण बहुस्तरीय मिलान के आधार पर किया जाता है ना कि एक चालू बाजार में ट्रेडों के निर्धारण के लिए उपयोग में लाये जाने वाले द्विपक्षीय मिलान के क्रम के आधार पर।

अप्लिकेशन:

कॉल ऑक्शन का उपयोग कारोबारी दिन के दौरान विभिन्न सत्रों में किया जा सकता है।

- खुलने पर
- बंद होने पर
- इंट्रा डे
- पोस्ट हॉल्ट
- आईपीओ लिस्टिंग

लाभ: कॉल ऑक्शन ट्रेडिंग तरीके के कई लाभ है।

इसके परिणाम स्वरूप किसी एकल कीमत पर बहुस्तरीत मैचिंग के परिणाम स्वरूप कीमत चंचलता को कम करने में सहायता मिलती है।

आर्डरों के संग्रह की वजह से एक व्यापक मांग - आपूर्ति शेड्युल प्राप्त होता है, जिससे बेहतर तरलता हांसिल होती है।

आर्डरों की संग्रह की वजह से गल्तियों की संभावना कम हो जाती है तथा बेहतर प्राइस डिस्कवरी प्राप्त होती है।

इससे मार्केट इम्पेक्ट को कम करने में सहायता मिलती है क्योंकि दिये गये किसी आर्डर का आकार बाद में संग्रहित किये जाने वाले समकक्ष आर्डर की तुलना में छोटा होता है।

इससे सौदे की लागत को कम करने में सहायता मिलती है क्योंकि कॉल ऑक्शन के दौरान किये गये सौदों पर इम्पेक्ट कॉस्ट नहीं आती है।

यह विशेष तौर पर छोटे गैर व्यावसायी निवेशकों के लिए अनुकूल बाजार के रूप में काम करता है क्योंकि सभी सौदे समान कीमत पर संपन्न होते हैं। इसके साथ ही सौदों के एक साथ संपन्न होने से समान प्रतिभूति में पहले आने वाले कस्टमर आर्डरों (फ्रन्ट रनिंग कस्टमर आर्डर्स) की संभावना खतम हो जाती है।

सत्र की समाप्ति पर किसी एकल प्राइस पर संग्रहित तथा मिलान किये गये आर्डर

आर्डरों के समय /कीमत/ प्राथमिकता के आधार पर मिलान किये जाने की वजह से अनवरत रूप से सौदे होते हैं।

वीडब्ल्यूएपी बंद भाव की गणना

बंद भाव पर सौदे का अनुपालन

# इक्विटी सेगमेंट के प्री-ओपेन सत्र में कॉल ऑक्शन क्रियाविधि की शुरूआत

भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) ने १५ जुलाई २०१० को जारी सर्कुलर क्रमांक (सर्कु/एमआरडी/डीपी/२१/२०१०) के माध्यम से प्री-ओपेन सत्र में कॉल ऑक्शन में शुभारंभ की सूचना दी । बीएसई इस अवधारणा का विस्तृत परिचय तथा प्रस्तावित क्रियाविधि का विवरण उपलब्ध करवा रही है।

### १. सत्र

कॉल ऑक्शन क्रियाविधि प्री-ओपेन सत्र के लिए लागू होगा।

### २. पात्रता

प्री-ओपेन सत्र सेन्सेक्स तथा निफ्टी से संबंधित घटकों (एनेक्स्चर-१) के लिए प्रारंभ किया जायेगा। यदि इन्डेक्स के संयोजन में कोई बदलाव होता है तो नये शामिल किये जाने वाले स्टॉकों को प्री-ओपेन सत्र में ओपनिंग प्राइस की गणना के लिए शामिल किया जायेगा। कॉल ऑक्शन क्रियाविधि में इन्डेक्स से बाहर होने वाले स्टॉकों को बनाये रखा जायेगा। यद्यपि कि उन पर इन्डेक्स की गणना के वक्त विचार नहीं किया जायेगा।

| सत्र | आर्डर एन्ट्री की अवधि | आर्डर के मिलान तथा पुष्टि की अवधि | बफर पिरीयड | निरंतर कारोबारी सत्र |
|---|---|---|---|---|
| अवधि | सुबह ९:००-९:०७/०८ | सुबह ९:०८-९:१२ | सुबह ९:१२ - ९:१५ | सुबह ९:१५ - ९:३० |
| कार्य | आर्डर एडीशन/ मॉडिफिकेशन/ केन्सिलेशन सातवें तथा आंठवें मिनट के बीच रेन्डम स्टोपेज,कोई सौदा नहीं किया जायेगा।<br>संकेतात्मक इन्डेक्स पर संकेतात्मक कीमत तथा मिलान योग्य मात्रा की सूचना। २० प्रतिशत का समरूप प्राइस बैण्ड लागू है। | कोई आर्डर एडीशन/ मॉडिफिकेशन/ केन्सिलेशन नहीं।<br>ओपनिंग प्राइस का निर्धारण, आर्डर का मिलान तथा सौदे की पुष्टि। | प्री-ओपेन तथा अनवरत कारोबारी सत्र के बीच ट्रान्जिशन की सुविधा। | भाव प्राथमिकता के अनुसार मिलान करते हुए निरंतर सौदे |

<u>अतिरिक्त सूचना</u>

कॉल ऑक्शन सत्र की समाप्ति के बाद अनवरत ट्रेडिंग सेशन शुरू होगा। अनवरत सत्र तथा कॉल ऑक्शन सत्र (प्री-ओपेन) दोनों एक साथ नहीं चलेंगे।

अनवरत सत्र के शुरू होने के साथ ही ब्लॉग डील ट्रेडिंग सत्र (३५ मिनट) की शुरूआत होगी।

## ४. प्री-ओपेन सत्र की मुख्य विशेषताएं

- किसी विशेष स्टॉक के लिए सिस्टम में दर्ज किये जाने वाले सभी आर्डरों का मिलान एक एकल कीमत के आधार पर किया जायेगा, जिसको मार्केट ओपनिंग प्राइस के नाम से जाना जाता है।
- आर्डरों का संग्रह आर्डर एन्ट्री में किया जाता है तथा इनका अनुपालन आर्डर मिलान तथा पुष्टि अवधि में किया जाता है।
- प्री-ओपेन सत्र की अवधि ९.०० बजे सुबह से ९.१५ सुबह तक की १५ मिनट की होगी।
- सौदों के अनुपालन के समय लिमिट आर्डरों को मार्केट आर्डरों पर प्राथमिकता दी जायेगी।
- सभी ऑर्डर की पूरी मात्रा प्रदर्शित करनी होगी अर्थात प्रि-ओपन सत्र में यदि उजागर की गई ऑर्डर की मात्रा वास्तविक ऑर्डर की मात्रा से भिन्न होगी तो सिस्टम ऐसे सौदों को स्वीकार नहीं करेगा।
- पूरे न हुए, पात्र ऑर्डर निरंतर कारोबारी सत्र को स्थानांतरित कर दिये जायेंगे।
- प्रि-ओपन सत्र में सौदे न होने की स्थिति में प्रि-ओपन सत्र में दाखिल किये गये ऑर्डर टाइम प्राथमिकता के आधार पर निरंतर कारोबारी सत्र को स्थानांतरित कर दिये जायेंगे। निरंतर कारोबारी सत्र के दौरान होने वाले पहले सौदे का भाव खुले भाव के बतौर मान्य किया जायेगा।
- प्री-ओपेन सत्र के आर्डर एन्ट्री की अवधि के दौरान सांकेतिक खुले भाव की गणना प्रत्येक स्टॉक के लिए एक निश्चित अंतराल पर की जायेगी तथा इसकी सूचना उस स्टॉक के लिए सांकेतिक कीमत पर मिलान युक्त मात्रा तथा सांकेतिक इन्डेक्स के साथ जारी की जायेगी।

- सिस्टम टचलाइन प्राइस पर उपलब्ध मात्रा विवरण के आधार पर आकलित किये गये संभावित खुले भाव के आधार पर टचलाइन का प्रदर्शन करेगा। मार्केट डेप्थ विंडों में अगले चार कीमतों के साथ सांकेतिक खुले भाव के संदर्भ में सूचना दी जायेगी। कीमत बिंदु के साथ खरीद तथा बिक्री पक्ष के पास उपलब्ध संयुक्त मात्रा के विवरण को भी पृथक रूप से उपलब्ध करवाया जायेगा। यदि किसी सांकेतिक कीमत की गणना नहीं होती है तो सबसे बहेतर उपलब्ध खरीद तथा बिक्री आर्डर का प्रदर्शन किया जायेगा।

- मिलान अवधि की समाप्ति पर सिस्टम सेन्सेक्स तथा दूसरे सूचकांकों के ओपेन इन्डेक्स वैल्यू की गणना करेगा तथा बाजार में इन्डेक्स वैल्यू की सूचना जारी करेगा।

- प्री-ओपेन सत्र के दौरान सभी पात्रता प्राप्त प्रतिभूतियों पर २० प्रतिशत का समरूप प्राइस बैण्ड लागू होगा।

### ५. आर्डर के प्रकार

प्री-ओपेन सत्र के आर्डर एन्ट्री अवधि के दौरान सिर्फ मार्केट आर्डर तथा लिमिट आर्डर की अनुमति होगी। खुले भाव की गणना के लिए आर्डर के इन दोनों प्रकारों का उपयोग किया जायेगा। किसी भी आईसबर्ग आर्डर की अनुमति नहीं होगी अर्थात् आर्डरों का विवरण उनकी पूरी मात्रा के साथ दिया जायेगा।

### ६. खुले भाव की गणना

प्री-ओपेन सत्र के दौरान किसी स्टॉक के बाजार खुले भाव की गणना चार चरणों में की जायेगी, जिसका विवरण नीचे उपलब्ध है:

खुला भाव = जिस भाव पर अधिकतम मात्रा में सौदे हुए हों,
यदि कई भाव प्रकट होते हैं तो

↓

खुला भाव = वह भाव पर जिस पर न्यूनतम ऑर्डर बकाया रह गये हों,
यदि कई भाव प्रकट हों तो

↓

खुला भाव = पिछले बंद भाव का निकटतम भाव

**उदाहरण १: आर्डर बुक**

| आर्डर क्रमांक | खरीद मात्रा | खरीद कीमत | बिक्री कीमत | बिक्री मात्रा | आर्डर क्रमांक |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | १०० | एटीओ | ९१ | १०० | ७ |
| २ | १०० | ९६ | ९१.५ | १०० | ८ |
| ३ | १५० | ९५ | ९३ | १०० | ९ |
| ४ | ५० | ९३ | ९५ | १०० | १० |
| ५ | १०० | ९१.५ | ९६ | २०० | ११ |
| ६ | १०० | ९१ | | | |

**मांग आपूर्ति सारिणी:**

| कीमत बिंदु | समग्र खरीद मात्रा | समग्र बिक्री मात्रा | सौदे योग्य मात्रा | शुद्ध आर्डर असंतुलन (मांग आपूर्ति असमानता) |
|---|---|---|---|---|
| ९६.०० | २०० | ६०० | २०० | ४०० |
| ९५.०० | ३५० | ४०० | ३५० | ५० |
| ९३.०० | ४०० | ३०० | ३०० | १०० |
| ९१.५० | ५०० | २०० | २०० | ३०० |
| ९१.०० | ६०० | १०० | १०० | ५०० |

**इस उदाहरण में ९५ रु. बाजार खुला भाव होगा तथा इस कीमत पर स्टॉक की ३५० यूनिटों का सौदा होगा।**

यदि कुछ सौदों की मात्रा के कई कीमत बिंदु है तो हम अगले चरण की तरफ बढ़जाते हैं।

**उदाहरण २: <u>आर्डर बुक</u>**

| आर्डर क्रमांक | खरीद मात्रा | खरीद कीमत | बिक्री कीमत | बिक्री मात्रा | आर्डर क्रमांक |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | १००० | एटीओ | एटीओ | ५०० | ७ |
| २ | १००० | ९६.३० | ९४.०० | ५०० | ८ |
| ३ | ३००० | ९६.२० | ९६.२० | १००० | ९ |
| ४ | १५०० | ९४.०० | ९६.३० | ३५०० | १० |
| ५ | २००० | ९२.०० | ९८.०० | ३००० | ११ |
| ६ | १००० | ९०.०० | | | |

**मांग आपूर्ति सारिणी:**

| कीमत बिंदु | समग्र खरीद मात्रा | समग्र बिक्री मात्रा | सौदे योग्य मात्रा | शुद्ध आर्डर असंतुलन (मांग आपूर्ति असमानता) |
|---|---|---|---|---|
| ९८.०० | १००० | ८५०० | १००० | ७५०० |
| ९६.३० | २००० | ५५०० | २००० | ३५०० |
| ९६.२० | ५००० | २००० | २००० | ३००० |
| ९४.०० | ६५०० | १००० | १००० | ५५०० |
| ९२.०० | ८५०० | ५०० | ५०० | ८००० |
| ९०.०० | ९५०० | ५०० | ५०० | ९००० |

**चूंकि यहां ९६.२० रु. तथा ९६.३० रु. के रूप में दो कीमते हैं, जिस पर मिलान योग्य मात्रा अधिकतम है अत: हम शुद्ध आर्डर असंतुलन पर ध्यान देते हैं तथा निम्नतम आर्डर असंतुलन के साथ कीमत का चुनाव करते है, जो ९६.२० रु. पर स्थित है। अत: इस स्थिति में बाजार खुला भाव ९६.२० रु. होगा तथा इस कीमत पर स्टॉक के २००० यूनिटों का सौदा होगा।**

अगर कई वॉल्यूम मैक्सिमाइजिंग कीमते हैं, जिस पर आर्डर असंतुलन निम्नतम है तब हम अगले चरण की तरफ बढ़जाते हैं।

**उदाहरण ३: आर्डर बुक**

| आर्डर क्रमांक | खरीद मात्रा | खरीद कीमत | बिक्री कीमत | बिक्री मात्रा | आर्डर क्रमांक |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | १००० | एटीओ | एटीओ | ५०० | ७ |
| २ | १००० | ९६.३० | ९४.०० | ५०० | ८ |
| ३ | ३००० | ९६.२० | ९६.२० | १००० | ९ |
| ४ | १५०० | ९४.०० | ९६.३० | ३००० | १० |
| ५ | २००० | ९२.०० | ९८.०० | ३००० | ११ |
| ६ | १००० | ९०.०० | | | |

**मांग आपूर्ति सारिणी:**

| कीमत बिंदु | समग्र खरीद मात्रा | समग्र बिक्री मात्रा | सौदे योग्य मात्रा | शुद्ध आर्डर असंतुलन (मांग आपूर्ति असमानता) |
|---|---|---|---|---|
| ९८.०० | १००० | ८००० | १००० | |
| ९६.३० | २००० | ५००० | २००० | ३००० |
| ९६.२० | ५००० | २००० | २००० | ३००० |
| ९४.०० | ६५०० | १००० | १००० | |
| ९२.०० | ८५०० | ५०० | ५०० | |
| ९०.०० | ९५०० | ५०० | ५०० | |

यदि ऐसे २ भाव हों, जहां मिलान योग्य मात्रा अधिकतम हो तथा साथ ही कुल अंसतुलित ऑर्डर भी वही हो तो पिछले बंद भाव का निकटतम भाव बतौर खुला भाव माना जायेगा।

- यदि पिछला बंद भाव ९६.५० रु. है तो बाजार का खुला भाव होगा = ९६.३० रु.
- यदि पिछला बंद भाव ९६.१० रु. है तो बाजार का खुला भाव होगा = ९६.२० रु.
- यदि पिछला बंद भाव ९६.२५ रु. है तो बाजार का खुला भाव होगा = ९६.२५ रु. (चूंकि भाव बिंदु की मिड-वैल्यू पिछला बंद है, जहां मिलान योग्य मात्रा अधिकतम है और मांग-पूर्ति का अंतर समान है)

## ७. ऑर्डर क्रियान्वयन प्राथमिकता

समय मूल्य प्राथमिकता में सौदों के क्रियान्वयन के दौरान लिमिट ऑर्डर को मार्केट ऑर्डर के मुकाबले प्राथमिकता दी जायेगी। ऑर्डर क्रियान्वयन का क्रम निम्न प्रकार होगा-

- पात्र लिमिट ऑर्डर का मिलान पात्र लिमिट ऑर्डर से किया जायेगा।
- अवशिष्ट पात्र लिमिट ऑर्डर का मिलान मार्केट ऑर्डर से किया जायेगा।
- अवशिष्ट मार्केट ऑर्डर का मिलान मार्केट ऑर्डर से किया जायेगा।

**प्रणाली में शामिल किये गये सभी ऑर्डर का मिलान उसी भाव अर्थात मार्केट ओपनिंग भाव पर किया जायेगा।**

मिलान न हो पाये सभी लिमिट ऑर्डर, प्राइस- टाइम प्राथमिकता के आधार पर निरंतर कारोबारी सत्र की ऑर्डर बुक में स्थानांतरित कर दिये जाते हैं।

सभी मिलान न हो पाये मार्केट ऑर्डर निरंतर सत्र को ओपनिंग भाव पर बतौर लिमिट भाव वाले ऑर्डर स्थानांतरित कर दिये जायेंगे और उस पर उसका मूल टाइम स्टॉम्प बना रहेगा।

जहां सिर्फ मार्केट ऑर्डर हों और जहां प्रि-ओपन सत्र के दौरान खुले भाव का निर्धारण न हो सका हो, वहां मार्केट ऑर्डर का मिलान पिछले दिन के बंद भाव पर किया जाता है। सभी मिलान न हो सकने वाले ऑर्डर समय प्राथमिकता के साथ पिछले दिन के बंद भाव पर निरंतर मार्केट की ऑर्डर बुक में हस्तांतरित किये जाते हैं। पिछले दिन का बंद भाव स्टॉक का खुला भाव होगा।

प्रि-ओपन सत्र में सौदे न होने की स्थिति में (उदाहरण- यदि खुले भाव का निर्धारण न हो सका हो) और यदि मिलान करने के लिए कोई मार्केट ऑर्डर न हो तो सभी मिलान न हो पाये मार्केट ऑर्डर (पिछले दिन के बंद भाव पर) और लिमिट ऑर्डर प्राइस-टाइम प्राथमिकता के आधार पर निरंतर कारोबारी सत्र की ऑर्डर बुक को भेज दिये जायेंगे। निरंतर कारोबारी सत्र के दौरान होने वाले पहले सौदे का भाव बतौर खुला भाव माना जायेगा।

## ८. सूचना प्रसार

बाजार में नियमित अंतराल पर निम्न सूचनाएं प्रसारित की जायेंगी।

- सांकेतिक भाव
- सांकेतिक भाव पर मिलान योग्य मात्रा
- सांकेतिक इंडेक्स वैल्यू
- बाजार की कुल खरीद और बिक्री
- मार्केट डेप्थ (५ बिड्स/ऑफर्स)

ऑर्डर दाखिल करने की अवधि के दौरान प्रसारित की गयी सभी सूचनाएं सांकेतिक स्वरूप की होगी।

प्रि-ओपन सत्र के दौरान बोल्ट स्क्रीन का दृश्य

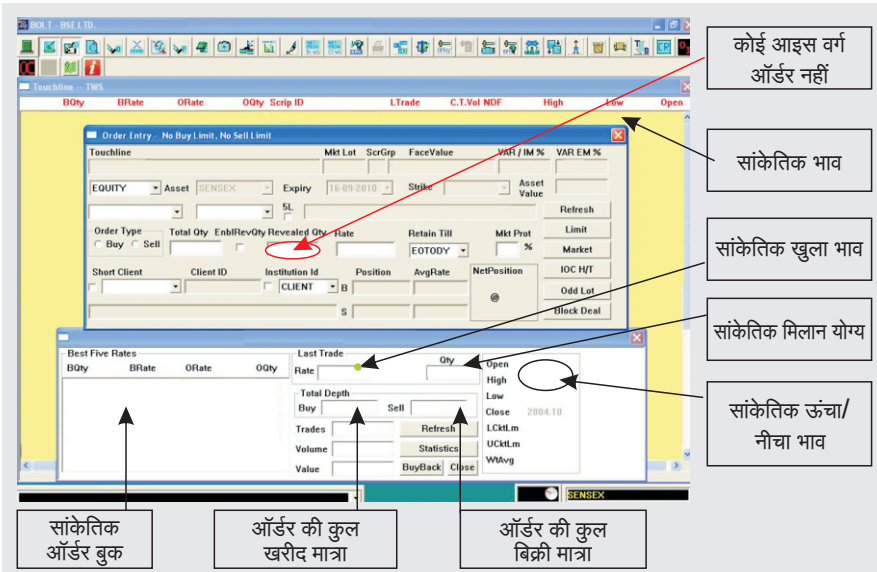

प्रणाली सांकेतिक खुले भाव पर आधारित स्पर्श रेखा प्रसारित करेगी जिसमें इन भाव बिंदुओं पर समेकित खरीद और बिक्री की मात्रा का समावेश होगा। समेकित मात्रा में मार्केट के ऑर्डरों का समावेश होगा।

मार्केट डेप्थ विंडो, ४ श्रेष्ठ भाव के साथ सांकेतिक भाव दर्शायेगी। इन प्रत्येक भाव पर समेकित मात्रा भी उपलब्ध होगी। नीचे के उदाहरण से यह बात स्पष्ट हो जाती है-

**मार्केट डेप्थ का उदाहरण :**

**आर्डर बुक**

| खरीद मात्रा | खरीद कीमत | बिक्री कीमत | बिक्री मात्रा |
|---|---|---|---|
| १०० | एटीओ | ९१ | १०० |
| १०० | ९६ | ९१.५ | १०० |
| १५० | ९५ | ९३ | १०० |
| ५० | ९३ | ९५ | १०० |
| १०० | ९१.५ | ९६ | २०० |
| १०० | ९१ | ९७ | ५० |
| १०० | ९० | ९८.५ | ५० |
| | | ९९ | १०० |

| कीमत बिंदु | समग्र खरीद मात्रा | समग्र बिक्री मात्रा | सौदे योग्य मात्रा | शुद्ध आर्डर असंतुलन (मांग आपूर्ति असमानता) |
|---|---|---|---|---|
| ९६ | २०० | ६०० | २०० | ४०० |
| ९५ | ३५० | ४०० | ३५० | ५० |
| ९३ | ४०० | ३०० | ३०० | १०० |
| ९१.५ | ५०० | २०० | २०० | ३०० |
| ९१ | ६०० | १०० | १०० | ५०० |

मार्केट डेप्थ दर्शायेगा:

- आगामी ४ भावों के साथ सांकेतिक खुला भाव
- इन प्रत्येक भाव पर कुल क्रय एवं विक्रय मात्रा
- कुल मात्रा में मार्केट ऑर्डर का समावेश रहेगा

| खरीद मात्रा | खरीद कीमत | बिक्री कीमत | बिक्री मात्रा |
|---|---|---|---|
| ३५० | ९५ | ९५ | ४०० |
| ४०० | ९३ | ९६ | ६०० |
| ५०० | ९१.५ | ९७ | ६५० |
| ६०० | ९१ | ९८.५ | ७०० |
| ७०० | ९० | ९९ | ८०० |

यदि सांकेतिक भाव की गणना नहीं हो पाती है तो, उपलब्ध श्रेष्ठ क्रय और विक्रय ऑर्डर दर्शाये जायेंगे।

प्रि-ओपन सत्र में विभिन्न अवधियों की मार्केट पिक्चर विंडों

| फील्ड | कोई ऑर्डर दाखिल करने से पहले | ऑर्डर दाखिल करने की अवधि | ऑर्डर मिलान एवं पुष्टिकरण अवधि |
|---|---|---|---|
| अंतिम कारोबारी भाव | खाली रहेगा | सांकेतिक खुला भाव | एक बार निर्धारित होने पर वास्तविक खुला भाव; तब तक सांकेतिक खुला भाव |
| अंतिम कारोबारी मात्रा | खाली रहेगा | सांकेतिक मिलान योग्य मात्रा | खुले भाव पर अंतिम सौदे की मात्रा |
| खुला | खाली रहेगा | खाली रहेगा | एक बार खुला भाव निर्धारित होने पर वास्तविक खुला भाव, तब तक खाली रहेगा |
| ऊंचा | खाली रहेगा | उच्चतम सांकेतिक भाव | वास्तविक खुला भाव निर्धारित होने तक उच्चतम सांकेतिक भाव दर्शाया जायेगा |
| नीचा | खाली रहेगा | निम्नतम सांकेतिक भाव | वास्तविक खुला भाव निर्धारित होने तक न्यूनतम सांकेतिक भाव दर्शाया जायेगा |
| एलसीकेटीआईएम/ यूसीकेटीआईएम | खाली रहेगा | खाली रहेगा | खाली रहेगा |
| बंद | पिछले दिन का बंद भाव | पिछले दिन का बंद भाव | पिछले दिन का बंद भाव |
| कुल क्रय डेप्थ | खाली रहेगा | ऑर्डर बुक में खरीदी गयी कुल मात्रा | ऑर्डर बुक में खरीदी गयी कुल मात्रा |
| कुल विक्रय डेप्थ | खाली रहेगा | ऑर्डर बुक में बेची गयी कुल मात्रा | ऑर्डर बुक में बेची गयी कुल मात्रा |
| सेंसेक्स | पिछले दिन का बंद भाव | सेंसेक्स स्क्रिपों के सांकेतिक खुले भाव पर आधारित सांकेतिक वैल्यू | सेंसेक्स की स्क्रिपों का वास्तविक खुला भाव निर्धारित होते ही इसे अपडेट किया जायेगा |

## ९. इंडेक्स गणना

बीएसई के सभी इंडेक्स के सांकेतिक मूल्य की गणना एवं उसका प्रसार ऑर्डर इंट्रीड पीरियड के दौरान (सौदे दाखिल करने की अवधि) नियमित अंतराल पर किया जाता है। पोस्ट ऑर्डर इंट्री, सांकेतिक इंडेक्स स्टॉक्स का खुला भाव सृजित करेगा। जैसे ही जब वास्तविक खुली वैल्यू की गणना के लिए उपलब्ध हो। सांकेतिक भाव उपलब्ध न होने की स्थिति में स्टॉक के पिछले दिन के बंद भाव का उपयोग किया जायेगा। एक बार सेंसेक्स के सभी ३० स्टॉक्स का खुला भाव निर्धारित होने पर, वास्तविक इंडेक्स की गणना करके उसे प्रसारित किया जायेगा।

## १०. जोखिम प्रबंधन

मार्जिन एवं कोलेटेरल : ऑर्डर के स्तर पर समेकित मात्रा के लिए मार्जिन लिया जायेगा।

प्राइस बैंड और सर्किट फिल्टर : प्रि-ओपन सत्र के दौरान सभी पात्र प्रतिभूतियों पर २० प्रतिशत की समान दर से प्राइस बैंड लागू होगा। सेंसेक्स की ओपनिंग वैल्यू की गणना पर निर्धारित सीमा के टूटने के मामले में, वर्तमान अभ्यास (सेबी सर्कुलर क्रमांक एसएमडीआरपीडी/पॉलिसी/सर्कु-३७/२००१ दिनांक २८ जून २००१) के अनुसार कारोबार विराम (मार्केट वाइड सर्किट ब्रेकर) लागू होगा। यह विराम नियमित कारोबार सत्र शुरू होने पर लागू होगा। सेंसेक्स द्वारा सर्किट ब्रेकर की सीमा तोड़ने पर प्रि-ओपन मेचिंग सत्र के दौरान में किये गये सौदे व उनका पुष्टिकरण प्रभावित नहीं होगा।

**एनेक्स्चर १: प्रि-ओपन सत्र के लिए पात्र स्टॉक्स की सूची**

| | | |
|---|---|---|
| एसीसी लि. | हिंदुस्तान यूनिलीवर लि. | रिलायंस कैपिटल लि. |
| अंबुजा सीमेंट लि. | आईसीआईसीआई बैंक लि. | रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. |
| अक्सिस बैंक लि. | इंफ्रा डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लि. | रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लि. |
| बजाज ऑटो लि. | इफोसिस टेक्नोलॉजीज लि. | रिलायंस पॉवर लि. |
| भारती एयरटेल लि. | आईटीसी लि. | सेसागोवा लि. |
| भेल | जिंदल स्टील एंड पॉवर लि. | स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया |
| भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि. | जयप्रकाश एसोसिएट्स लि. | स्टेट बैंक ऑफ इंडिया |
| केईर्न इंडिया लि. | कोटक महिंद्रा बैंक लि. | सीमेंस लि. |
| सिपला लि. | लार्सन एंड ट्युब्रो लि. | स्टरलाइट इंडस्ट्रीज (इंडिया) लि. |
| डीएलएफ लि. | महिंद्रा एंड महिंद्रा लि. | सन फार्मास्युटिकल्स |
| डॉ. रेड्डी लेबोरेटरीज लि. | मारुति सुजुकी | सुजलॉन एनर्जी लि. |
| गेल (इंडिया) लि. | एनटीपीसी लि. | टाटा मोटर्स लि. |
| एचसीएल टेक्नोलॉजीज लि. | ऑयल एंड नेचुरल गैस कार्पोरेशन | टाटा पॉवर कंपनी लि. |
| एचडीएफसी लि. | पंजाब नेशनल बैंक | टाटा स्टील लि. |
| एचडीएफसी बैंक | पॉवर ग्रिड कार्पोरेशन लि. | टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज लि. |
| हीरो होडा मोटर्स लि. | रेनबैक्सी लैब्स लि. | विप्रो लि. |
| हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लि. | रिलायंस कम्युनिकेशन लि. | |

* As on 1st October 2010

Bombay Stock Exchange Limited

The edge is efficiency

For more information log on to www.bseindia.com